जगदाती पहाड़ों वाली मां

जग दाती पहाड़ों वाली मां
मेरी बिगड़ी बनाने आ जाओ ॥
*मेरा, और सहारा कोई ना ॥,
मेरी लाज बचाने आ जाओ x॥,,,
जग दाती पहाड़ों,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

मैं निर्बल, निर्धन दीन बड़ा,
"मैं घिर गया, गम के घेरों में" ।
मां ज्योति रुपा, भय हरनी,
"कहीं डूब ना जाऊं, अंधेरों में" ॥
*कमजोर हूँ, मैं मईया ॥,
मेरी चिंता मिटाने आ जाओ x॥,,,
जग दाती पहाड़ों,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

तेरे भरे हुए, भंडार है माँ,
"मोहताज मैं, दाने दाने का" ।
तेरे होते हुए, दिल कांप रहा,
"तेरे द्वार के, इस दीवाने का" ॥
*मेरी नाव, भंवर में फंसी ॥,
इसे पार लगाने आ जाओ x॥,,,
जग दाती पहाड़ों,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

कहीं एक, गरीब की कुटिया ना,
"लोगों की नजर से गिर जाए" ।
विश्वास के, रंगों पर मईया,
"कहीं पानी ही ना फिर जाए" ॥
*क्या करूं, कुछ सूझे ना ॥,
कोई राह दिखाने आ जाओ x॥,,,
जग दाती पहाड़ों,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/26958/title/jagdati-pahado-wali-maa

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |